उत्तराखंड के गाँवों में HIV का प्रकोप

चर्चा में क्यों?

हाल ही में नैनीताल के रामनगर में HIV प्रकोप की सूचना मिली है, जिससे नशीली दवाओं की लत और असुरक्षित यौन संबंधों के प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ी है।

प्रमुख बिंदु

- **HIV प्रसार:**
  - रामनगर में 19 से अधिक पुरुष असुरक्षित यौन संबंध के बाद HIV पॉजिटिव पाए गए।
  - अधिकारी इसे सामुदायिक स्वास्थ्य सतर्कता को और अधिक सख्त बनाने के लिये एक चेतावनी के रूप में बता रहे हैं।
- **भारत में HIV - आँकड़े:**
  - वर्ष 2022 तक, लगभग **2.47 मिलियन भारतीय HIV के साथ जी रहे हैं,** तथा वयस्कों में इसकी व्यापकता दर **0.2%** है।
  - वर्ष 2010 के बाद से नये संक्रमणों में 42% से अधिक की गिरावट आई है, तथा AIDS से संबंधित मौतों में लगभग 77% की कमी आई है।
- **सरकारी प्रयास:**
  - भारत का राष्ट्रीय AIDS और STI नियंत्रण कार्यक्रम **(2021-2025)** मुख्यतः घरेलू स्तर पर वित्त पोषित है, जिसका ध्यान रोकथाम, परीक्षण और उपचार पर केंद्रित है।
  - सामाजिक न्याय मंत्रालय नशे और मादक पदार्थों से संबंधित समस्याओं से ग्रस्त लोगों की सहायता के लिये एक राष्ट्रीय हेल्पलाइन संचालित करता है।

ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस (HIV)

- **परिचय:**
  - HIV का मतलब है ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस, जो एक ऐसा वायरस है जो मानव शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली पर हमला करता है।
  - यह मुख्य रूप से CD4 प्रतिरक्षा कोशिकाओं को लक्ष्य बनाता है और उन्हें क्षतिग्रस्त करता है, जो संक्रमणों और रोगों से लड़ने की शरीर की क्षमता के लिये आवश्यक हैं।
  - समय के साथ, HIV प्रतिरक्षा प्रणाली को कमज़ोर कर देता है, जिससे शरीर अवसरवादी संक्रमणों (Opportunistic Infections) और कैंसर के प्रति संवेदनशील हो जाता है।
- **संचरण:**
  - HIV मुख्यतः रक्त, वीर्य, योनि द्रव्य और स्तनपान जैसे कुछ शारीरिक तरल पदार्थों के आदान-प्रदान के माध्यम से फैलता है।
- **गंभीरता:**
  - यदि उपचार न किया जाए तो वायरस व्यक्ति की प्रतिरक्षा प्रणाली को नष्ट कर देता है और उन्हें एक्वायर्ड इम्यूनोडेफिशिएंसी सिंड्रोम (AIDS) चरण में कहा जाता है, जहाँ उसे कई अवसरवादी संक्रमण (Opportunistic Infections) होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप मृत्यु हो सकती है।
- **उपचार:**
  - यद्यपि वर्तमान में इस संक्रमण का कोई इलाज नहीं है, फिर भी एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी का उपयोग करके इस रोग का प्रबंधन किया जा सकता है।
  - ये दवाएँ शरीर के भीतर वायरस की प्रतिकृति को नष्ट देती हैं, जिससे CD4 प्रतिरक्षा कोशिकाओं की संख्या में वृद्धि हो जाती है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/hiv-outbreak-in-uttarakhand-village